



TransUnion^{tu} CIBIL

एमएसएमई

पल्स

जून 2021

उद्धरण QUOTES



श्री सिवसुब्रमणियन रमण

अध्यक्ष और प्रबंध
निदेशक
सिडबी



एमएसएमई ऋण संबंधी ब्यौरे ईसीएलजीएस योजना की सफलता के बेजोड़ प्रमाण हैं। इस योजना के माध्यम से इस क्षेत्र के संवितरण में वर्ष-दर-वर्ष 40% की संवृद्धि दर्ज हो सकी है, जिसके परिणामस्वरूप एमएसएमई उद्यमों में व्यावसायिक भावनाओं का पुनः संचार हुआ है। वे प्रमुख वैशिष्ट्य, जो इस क्षेत्र में पुनरुत्थान के प्रस्थान-बिंदु को दर्शाते हैं, इस प्रकार हैं - बैंक-ऋण हेतु सर्वथा नए ग्राहकों का सहयोजन, जो कोविड-पूर्व स्तरों पर वापस आ गया है, जबकि बैंक-ऋण के लिए मौजूदा ग्राहकों में पूर्ववत् उत्साहवर्द्धक तेजी बनी हुई है। सरकार द्वारा हाल ही में अतिरिक्त राहत उपायों, विशेषतः स्वास्थ्य सेवा, यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में एमएसएमई संबंधी ऋण आशातीत सुधार की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, ऋणदाताओं से यह अपेक्षित है कि वे एमएसएमई क्षेत्र के लिए ऋण की संवृद्धिशीलता को कायम रखते हुए, ऋण संविभागों के स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी करते रहें।



श्री राजेश कुमार
प्र.नि. व मुकाअ
ट्रांसयूनियन
सिबिल



तालाबंदी खुलने के बाद एमएसएमई के ऋण मांग में महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ भारत के संवृद्धि की कहानी में विश्वास फिर से स्थापित हुआ है। सरकार की विकास समर्थक पहल जैसे ₹4.5 लाख करोड़ के ईसीएलजीएस समर्थन का विस्तार, ऋणों की पुनर्संरचना जैसे नियामक सुधार और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके बैंकों और ऋणदात्री संस्थानों द्वारा इन पहलों के तेजी से कार्यान्वयन ने एमएसएमई को मजबूत किया है। इन प्रगतिशील नीतियों और समर्थन के साथ, भारत का एमएसएमई क्षेत्र एक निश्चित पुनरुत्थान पथ पर स्थापित है और यह हमारी अर्थव्यवस्था की भावी शक्ति और विकास के लिए अच्छा है।



विश्लेषण संपर्क

ट्रान्सयूनियन सिबिल

विपुल महाजन

vipul.mahajan@transunion.com

स्मीता बसक

smeeta.basak@transunion.com

ओवैस शेख

owais.shaikh@transunion.com

कार्तिक सुंदरम

karthik.sundaram@transunion.com

सिडबी

रंगदास प्रभावती

erdav@sidbi.in

रमेश कुमार

rameshk@sidbi.in

विषय सूची

कार्यपालक सारांश	03
एमएसएमई ऋणों की राशि में संवृद्धि	05
उधारकर्ता प्रकार के अनुसार ऋण गतिविधि	07
क्षेत्रवार ऋण गतिविधि	08
ऋणगत कार्य-निष्पादन और स्वास्थ्य जांच	09
जोखिम स्वरूप में बदलाव	11
अच्छे उधारकर्ताओं के अधिक विभेदीकरण हेतु प्रवृत्तिगत एल्गोरिथ्म	13
उधारकर्ता द्वारा प्रचालित कार्यनीतियों में बदलाव	16
ऋणों की राशि के औसत आकार में बदलाव	17
मंजूरी के दरों में सभी स्तरों पर वृद्धि	18
नव सामान्य: कोविड लहर 1 के पश्चात नए ऋणों संबंधी उधारकर्ता प्रोफाइल	22
कोविड-पूर्व और पश्चात ऋण संलक्षण: सिबिल एमएसएमई रैंक	23
कोविड-पूर्व और पश्चात ऋण संलक्षण: चुकौती में चूक	24
कोविड-पूर्व और पश्चात ऋण संलक्षण: ऋण का उपयोग	25
निष्कर्ष	26

कार्यपालक सारांश

एमएसएमई क्षेत्र के लिए ईसीएलजीएस और अन्य अंतरवर्तनों के चलते वित्त वर्ष 2021 में एमएसएमई खंड को पहले के वर्षों की तुलना में अधिक ऋण राशि संवितरित की गई है।

वित्त वर्ष 2021 में, देश ने एमएसएमई क्षेत्र को ₹9.5 लाख करोड़ के ऋण संवितरित किए जो कि पिछले वित्त वर्ष 2020 में संवितरित ₹6.8 लाख करोड़ के ऋणों की तुलना में अधिक रहे। वित्त वर्ष 2021 के लिए एमएसएमई ऋण प्रदान करने में यह तेज उछाल ईसीएलजीएस की आत्मनिर्भर भारत योजना द्वारा समर्थित रही, जिसने उधारदाताओं को 100% ऋण गारंटी प्रदान की।

जून '21 में तालाबंदी के हटाए जाने पर एमएसएमई द्वारा ऋण की मांग (जिसे ऋण पृच्छाओं के रूप में मापा गया) में तेज उछाल आया है, जो वित्त वर्ष 2021 की चौथी तिमाही के बाद दूसरी लहर में निस्तेज हो गई थी।

पहली लहर के कारण वाणिज्यिक ऋण की पृच्छाओं में 76% की प्रारंभिक गिरावट के बाद, ये स्थिति ईसीएलजीएस के साथ तेजी से ठीक हो गई और तब से यह कोविड-पूर्व स्तरों के आसपास बनी हुई है। मार्च '21 में वाणिज्यिक ऋणों की पृच्छाएँ कोविड-पूर्व स्तरों से 32% ऊपर थीं, यद्यपि यह सुदृढ़ गति दूसरी लहर से प्रभावित हुई थी लेकिन जून '21 में इन स्तरों में तेजी से सुधार हुआ और ये कोविड-पूर्व स्तरों पर आ गईं।

मार्च '21 में एमएसएमई के ऋण बकाया में 6.6% की वृद्धि हुई है, जिसमें सूक्ष्म खंड सबसे तेज गति 7.4% से बढ़ रहा है।

क्रेडिट मांग में मजबूत प्रतिवर्तन, समान रूप से मजबूत ऋण आपूर्ति और ईसीएलजीएस समर्थन के चलते एमएसएमई की ऋण बकाया राशि संवृद्धि के साथ ₹20.21 लाख करोड़ हो गई है। 6.6% की वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर के साथ सूक्ष्म खंड में सबसे तेज गति से 7.4% की संवृद्धि हुई है, जिसके बाद लघु खंड में 6.8% और मध्यम खंड में 5.8% की दर से संवृद्धि हुई है।

बैंक के लिए नए ग्राहक (एनटीबी) को ऋण देना, एमएसएमई इकाइयां कोविड-पूर्व स्तरों पर वापस आ गई हैं, जबकि बैंक के मौजूदा ग्राहक (ईटीबी) को उधार देना जारी है।

बैंक के लिए नए एमएसएमई ग्राहकों को अप्रैल '20 में ऋण संवितरण कोविड-पूर्व- स्तरों की तुलना में 90% तक गिर गया था और मार्च '21 में यह धीरे-धीरे कोविड-पूर्व स्तरों की तुलना में 5% अधिक के स्तर तक वापस आ गया है। जून '20 में बैंक के मौजूदा एमएसएमई ग्राहकों को ऋण संवितरण ईसीएलजीएस के कारण कोविड-पूर्व स्तरों से बढ़कर 75% हो गया और तब से कोविड-पूर्व स्तरों को बनाए रखा है।

सरकार और नियामकों द्वारा नीति स्तर के अंतरवर्तनों से दिसंबर '20 तक एमएसएमई इकाइयों में ऋण डाउनग्रेड को नियंत्रित किया जाना, मार्च '21 के लिए डाउनग्रेड में उछाल परिलक्षित हुआ है:

एमएसएमई ऋण के निष्पादन की हलचल, जिसे सिबिल एमएसएमई रैंक (सीएमआर) डाउनग्रेड के माध्यम से मापा जाता है, नीति-स्तरीय अंतरवर्तनों के साथ दिसंबर '20 तक मोटे तौर पर नियंत्रण में रहा है। ऋण-स्थगन को वापस ले लेने और चुकौतीगत विलंब की मान्यता के बारे में दिशानिर्देशों के स्पष्टीकरण के साथ ही मार्च '21 की तिमाही में डाउनग्रेड में उछाल आया - जिससे मध्यम-जोखिम वाले एमएसएमई के समूह में बढ़ोत्तरी हुई है।





ऋणदाताओं में जोखिम उठाने की क्षमता पूर्व-महामारी के स्तर पर वापस आ गई है।

ईसीएलजीएस की 100% क्रेडिट गारंटी के समर्थन के साथ सभी ऋणदाताओं के अनुमोदन दरों में वृद्धि हुई है। सीएमआर के ओरिजिनेशन शेयर से पता चलता है कि महामारी के शुरुआती दौर में उच्च जोखिम सेगमेंट सीएमआर 7-10 में कमी हुई है और कम जोखिम सेगमेंट सीएमआर 1-3 बढ़ा है। लेकिन अब, सीएमआर द्वारा मूल वितरण पूर्व-कोविड -19 स्तरों के समान है।

ऋणदाता एमएसएमई को उधार देने के लिए अपेक्षाकृत अधिक खुले हैं, जो पिछले 12 महीनों में चुकौती करने से चूक गए:

जनवरी '21 से मार्च '21 तक एमएसएमई इकाइयों में से 29% वे उधारकर्ता थे जिन्होंने पिछले तीन महीनों में एक से अधिक चुकौतियों में चूक की हैं; जनवरी '20 से मार्च '20 के लिए समान अनुपात 21% था, जो कि चूक किये हुए एमएसएमई इकाइयों को ऋणदाताओं की बढ़ती स्वीकृति का संकेत है।

उच्च ऋण वृद्धि के कारण एमएसएमई पोर्टफोलियो के लिए एनपीए दरें स्थिर हैं:

एमएसएमई क्षेत्र में ऋण की मजबूत अंतर्प्रवाह, और सरकार और नियामक के विभिन्न समर्थन उपायों के साथ, एमएसएमई इकाइयों के लिए एनपीए दरों को मार्च '20 में 12.6 की तुलना में मार्च '21 के लिए 12.5% पर नियंत्रित किया गया है। हालांकि, मार्च '21 के लिए एनपीए दरें दिसंबर '20 (12%) की तुलना में अधिक हैं, जो क्रेडिट डाउनग्रेड के साथ युग्मित हैं।

एमएसएमई ऋणों की राशि में संवृद्धि

मार्च'21 में भारत में कुल तुलन-पत्र गत वाणिज्यिक उधार जोखिम 74.36 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें 0.6% की वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर थी। मार्च'21 तक एमएसएमई खंड का ऋण एक्सपोजर ₹20.21 लाख करोड़ है, जो कि सालाना आधार पर 6.6% की संवृद्धि दर दिखा रहा है और यह ऋण वृद्धि एमएसएमई उधार¹ के सभी उपखंडों में देखी गई है।

प्रदर्श 1: तुलन - पत्र पर वाणिज्यिक ऋण जोखिम की राशि (₹ लाख करोड़ में)

	अति लघु <₹10 लाख	सूक्ष्म 1 ₹10-50 लाख	सूक्ष्म 2 ₹50 लाख- 1 करोड़	लघु ₹1-10 करोड़	मध्यम 1 ₹10-25 करोड़	मध्यम ₹25-50 करोड़	बड़े >₹50 करोड़	समग्रतः
मार्च'19	0.86	2.18	1.49	7.44	3.65	22.96	54.10	72.68
जून'19	0.86	2.14	1.47	7.38	3.58	2.88	53.77	72.09
सितं.'19	0.88	2.20	1.50	7.42	3.58	2.87	53.27	71.72
दिसं.'19	0.92	2.25	1.52	7.54	3.61	2.86	53.39	72.10
मार्च'20	0.96	2.31	1.56	7.64	3.65	2.85	54.93	73.88
जून'20	0.94	2.27	1.52	7.51	3.65	2.85	55.06	73.81
सितं.'20	0.93	2.34	1.59	7.84	3.73	2.91	50.33	69.65
दिसं.'20	0.97	2.37	1.61	7.95	3.80	2.94	52.06	71.70
मार्च'21	1.02	2.47	1.67	7.15	3.88	3.00	54.15	74.36
वर्षानुवर्ष संवृद्धि	6.3%	6.9%	7.1%	6.7%	6.3%	5.3%	-1.4 %	0.6 %

देश ने वित्त वर्ष 2021 में एमएसएमई क्षेत्र को ₹9.5 लाख करोड़ के ऋण संवितरित किए, जो कि पिछले वर्षों में वित्त वर्ष 2020 के ₹6.8 लाख करोड़ से अधिक है। 2021 में एमएसएमई ऋण में इस तेज उछाल को ईसीएलजीएस की आत्मनिर्भर भारत योजना द्वारा समर्थित किया गया है, जिसने उधारदाताओं को 100% ऋण गारंटी प्रदान की है।

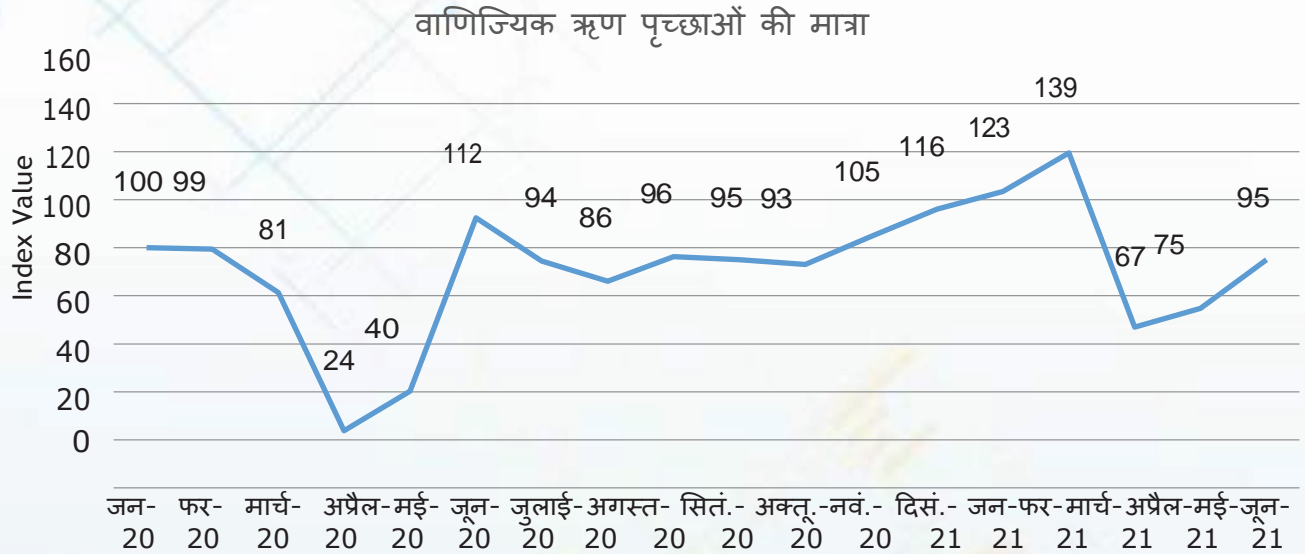
प्रदर्श 2: संवितरित राशियाँ (₹ लाख करोड़ में)

	सूक्ष्म < ₹ 1 Cr	लघु ₹ 1-10 Crs	मध्यम ₹ 10-50 Crs	समग्रतः
अप्रैल '19-जून. '19	0.33	0.57	0.55	1.45
जुलाई '19-सित. '19	0.42	0.65	0.61	1.69
अक्तू. '19-दिसं. '19	0.42	0.68	0.62	1.72
जन. '20-मार्च'20	0.44	0.74	0.73	1.91
अप्रैल'20-जून'20	0.43	0.83	0.69	1.95
जुलाई '20-सितं.'20	0.58	1.09	1.00	2.67
अक्तू. '20-दिसं. '20	0.52	0.97	0.92	2.41
जन. '21-मार्च'21	0.52	0.97	0.95	2.45

इकाई स्तर पर समेकित ऋण एक्सपोजर आधार पर वर्गीकृत वाणिज्यिक ऋण, बहुत छोटा: <₹10L; सूक्ष्म1: 10L-50L; सूक्ष्म2: 50L-1Cr; छोटा: 1Cr>10Cr; मध्यम1: 10Cr>25Cr; मध्यम2: 25Cr>50Cr; बड़ा 50Cr। सूक्ष्म खंड में अति लघु, सूक्ष्म1 और सूक्ष्म2 खंड और मध्यम खंड में मध्यम1 और मध्यम2 शामिल हैं।

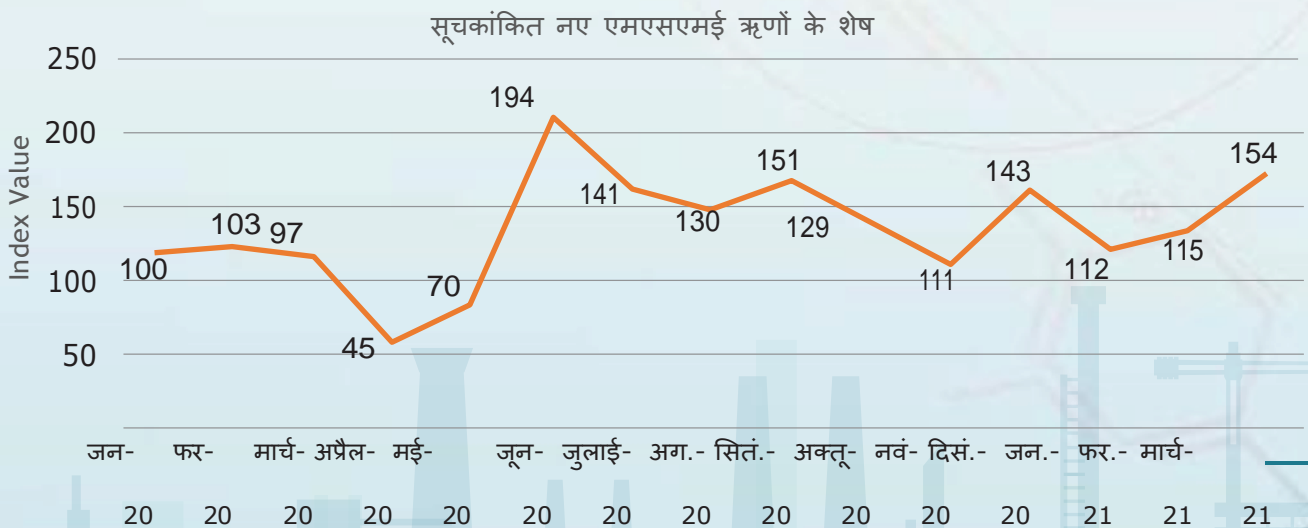
वाणिज्यिक ऋण पृच्छाओं की सूचकांक-बद्ध मात्रा के रुझान से पता चलता है कि एमएसएमई क्षेत्र में ऋण की मांग कोविड -19 के पूर्व स्तरों पर वापस आ गई है। अप्रैल'20 और मई'20 के दौरान आई तेज गिरावट देशव्यापी तालाबंदी के कारण रही और हमने अप्रैल 2021 में दूसरी लहर के दौरान भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी हैं। हालांकि, मई'21 से पृच्छाएँ बढ़ रही हैं।

प्रदर्श 3: सूचकांकित ऋण पृच्छाओं की मात्रा



ईसीएलजीएस की शुरुआत के बाद से, नए ऋण के आवेदनों में तेजी देखी गई है। जनवरी '20 की तुलना में, जिसे सूचकांक के लिए आधार स्तर के रूप में लिया गया है, हम देखते हैं कि जून'20 से नए ऋण आवेदनों में संवृद्धि सुदृढ़ रही है।

प्रदर्श 4: एमएसएमई द्वारा आवेदित नए ऋण जो राशि आधार पर सूचकांकित हैं



उधारकर्ताओं के प्रकार के आधार पर ऋण की गतिविधि

जिन उधारकर्ताओं को ऋण मंजूर किया गया था, उन्हें उधारदाताओं के साथ मौजूदा संबंधों के आधार पर आगे वर्गीकृत किया गया है। जिन उधारकर्ताओं का ऋणदाता के साथ मौजूदा वाणिज्यिक ऋण संबंध था, उन्हें बैंक के वर्तमान ग्राहक (ईटीबी) के रूप में परिभाषित किया गया है, ऐसे उधारकर्ता जिनका संबंधित ऋणदाता या किसी अन्य ऋणदाता के साथ कोई वाणिज्यिक ऋण संबंध नहीं है, उन्हें बैंक के लिए नए ग्राहक (एनटीबी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

जबकि बैंक के वर्तमान ग्राहक समूह में शुरुआत में एक मजबूत वापसी हुई जो मुख्य रूप से ईसीएलजीएस योजना की रूपरेखा के कारण देखा गया था, समय के साथ हम बैंक के लिए नए ग्राहकों में भी उठाव होते हुए देखते हैं। एमएसएमई के अंतर्गत आने वाले बैंक के लिए नए ग्राहकों को ऋण संवितरण, कोविड-पूर्व स्तरों की तुलना में अप्रैल'20 के लिए 90% कम हो गया था और धीरे-धीरे मार्च'21 के लिए कोविड-पूर्व स्तरों से अधिक हो गया है। एमएसएमई के अंतर्गत बैंक के वर्तमान ग्राहकों को ऋण संवितरण जून'20 में ईसीएलजीएस के कारण कोविड-पूर्व स्तरों के दोगुने से अधिक हो गया और तब से कोविड-पूर्व स्तरों को बनाए रखा है।

प्रदर्श 5: उधारकर्ता प्रकार द्वारा अनुक्रमित व्युत्पत्ति शेष राशि

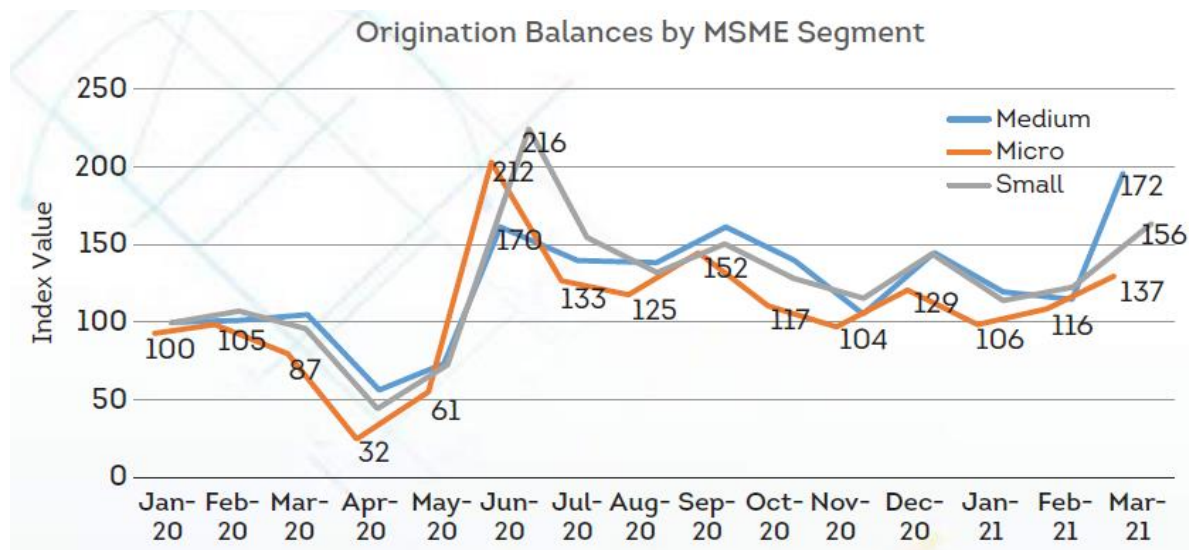
उधारकर्ता प्रकार द्वारा व्युत्पन्न शेष राशि



उधारकर्ताओं के आकार के आधार पर उत्पत्ति को देखते हुए, हम देखते हैं कि माइक्रो सेगमेंट में नई उत्पत्ति, जो देशव्यापी लॉकडाउन से सबसे अधिक प्रभावित हुई थी, ने उठा लिया है और पूर्व-कोविड स्तर से अधिक है। एमएसएमई के छोटे और मध्यम दोनों खंडों के लिए समान रुझान देखा जाता है।



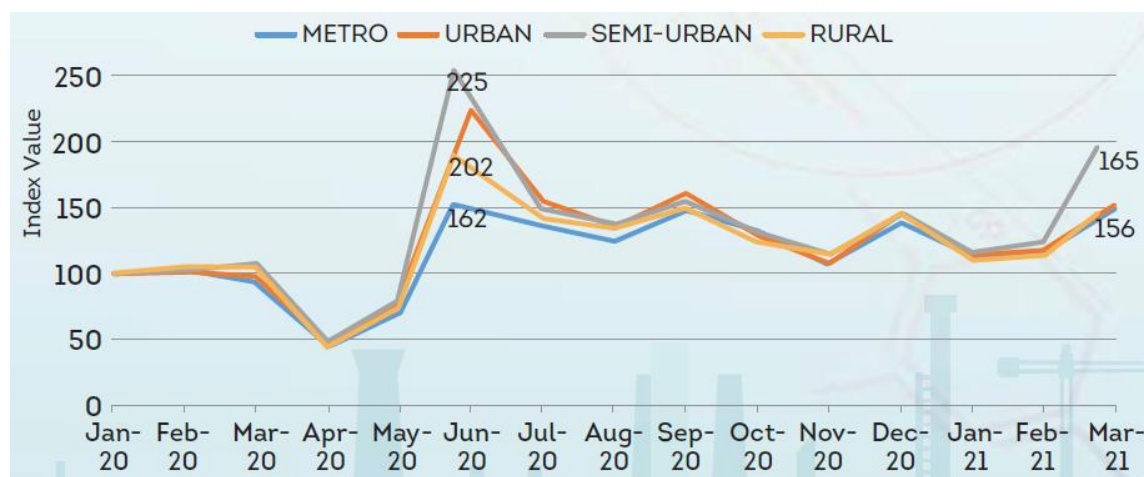
प्रदर्श 6: एमएसएमई घटक के आधार पर अनुक्रमित व्युत्पत्ति शेष राशि



क्षेत्रवार ऋण गतिविधि

भौगोलिक क्षेत्रों में आगे बढ़ते हुए, शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संवितरण के रुझान समान हैं, जिन्होंने मेट्रो क्षेत्रों की तुलना में जून'20 में संवितरण में तेज वृद्धि का अनुभव किया था। लेकिन कुल मिलाकर, सभी क्षेत्रों को ईसीएलजीएस के हस्तक्षेप से लाभ हुआ। हाल के महीनों में, सभी क्षेत्रों में वापसी के संकेत दिखाई दे रहे हैं और उन्होंने कोविड-पूर्व स्तर को पार कर लिया है।

प्रदर्श 7: राशि के अनुसार एमएसएमई ऋणों की क्षेत्रवार अनुक्रमित उत्पत्ति



ऋण प्रदर्शन एवं स्थिति का आकलन

सिबिल एमएसएमई रैंक एमएसएमई इकाइयों के लिए ऋण जोखिम को दर्शाने वाला रैंक है जो अगले 12 महीनों में एमएसएमई के एनपीए बनने की संभावना की भविष्यवाणी करता है। यह रैंक 50 करोड़ रुपये तक के कुल वाणिज्यिक उधार वाली एमएसएमई इकाइयों के लिए लागू है। वर्तमान में 9 मिलियन से अधिक एमएसएमई इकाइयां सिबिल एमएसएमई रैंक के लिए पात्र हैं। सीएमआर जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया को मानकीकृत करता है और अंडरराइटिंग के लिए टर्नअराउंड समय को कम करते हुए वस्तुनिष्ठ उधार निर्णय लेने में समर्थ बनाता है। संविभाग प्रबंधन के नजरिए से, सिबिल रैंक समय की अवधि में रैंक में गिरावट को देखकर नियम-आधारित, थोक नवीनीकरण और संविभाग की निगरानी को समर्थ बनाता है।

प्रदर्श 8: सिबिल एमएसएमई रैंक भविष्यसूचक माडल

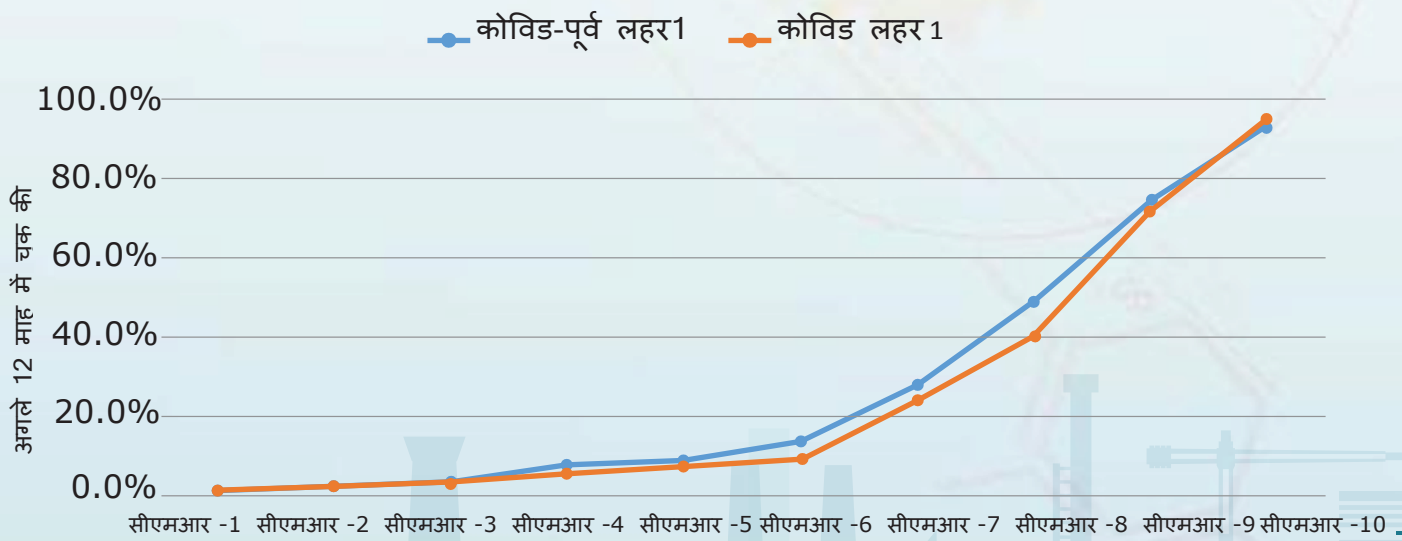


पिछले एक साल में लॉकडाउन करने और उसके खुलने के चरणों के विभिन्न चक्रों के साथ-साथ मांग में कमी, बेरोजगारी बढ़ने और आर्थिक गिरावट के कारण अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व उथल-पुथल देखी गई है। इस अवधि के दौरान कई नियामक उपाय किए गए, जिनमें ईसीएलजीएस की आत्मनिर्भर भारत योजना, ऋण-स्थगन और अपचरिता की पहचान के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं - जिसके कारण सभी जोखिम मॉडल की बारीकी से निगरानी करने की आवश्यकता है। सिबिल एमएसएमई रैंक जिसका 2017 से बड़े पैमाने पर उधारदाताओं द्वारा उपयोग किया गया है और अच्छी और बुरी एमएसएमई इकाइयों में भेद करने में सक्षम है, जिसकी इस दबाव की अवधि के दौरान भी बारीकी से जांच की गई। कोविड के कारण उत्पन्न आर्थिक दबाव के बीच एमएसएमई इकाइयों में जोखिम को पहचानने में सिबिल एमएसएमई रैंक की क्षमता मजबूत बनी हुई है, जैसा कि नीचे पीडी वक्र द्वारा दर्शाया गया है जो कोविड से पहले और बाद के सिबिल एमएसएमई रैंक में अंतर की जांच करता है। कोविड-पूर्व स्थिति के लिए, मार्च'19 तक संस्थाओं के सिबिल एमएसएमई रैंक को आगामी 12 महीनों में सदैव 90+ डीपीडी के प्रदर्शन परिभाषा² के अनुसार मैप किया गया था। कोविड-पश्चात स्थिति के लिए मार्च'20 तक संस्थाओं की सीएमआर रैंक को अगले 12 महीनों में सदैव 90+ डीपीडी प्रदर्शन परिभाषा के अनुसार मैप किया गया।

²प्रदर्शन का मूल्यांकन 12 महीनों में कभी भी 90+ की मानक परिभाषा का उपयोग करके किया जाता है। कभी परिभाषा में यह दर्शाता है कि यदि कोई खाता 12 महीनों के दौरान किसी भी समय 90+ डीपीडी स्थिति को छूता है, तो इसे "खराब" के रूप में गिना जाएगा।



प्रदर्श 9: लहर-1 में कोविड-पूर्व और कोविड-पश्चात सिबिल एमएसएमई रैंक



जोखिम प्रोफाइल में अवस्थांतरण

सिबिल एमएसएमई रैंक अवस्थांतरण की निगरानी मार्च 20 से मार्च'21 तक एक साल की अवधि में उधारकर्ताओं हेतु की जाती है, और सीएमआर 1-3, सीएमआर 4-5, सीएमआर 6-7 और सीएमआर 8-10 के रैंक समूह के लिए अवस्थांतरण की निगरानी की जाती है। यह देखा गया है कि मार्च '20 में सिबिल एमएसएमई रैंक 1-3 में रहने वाले 32% उधारकर्ता मार्च'21 तक निचले रैंक वाले समूह में अवनत हो गए, और 21% उधारकर्ता जो मार्च'20 में सीएमआर 4-5 थे, उन्हें मार्च 21 में उच्च रैंक समूह में उन्नत किया गया।

प्रदर्श 10: मार्च 20 से मार्च 21 तक सिबिल एमएसएमई रैंक का अवस्थांतरण मैट्रिक्स

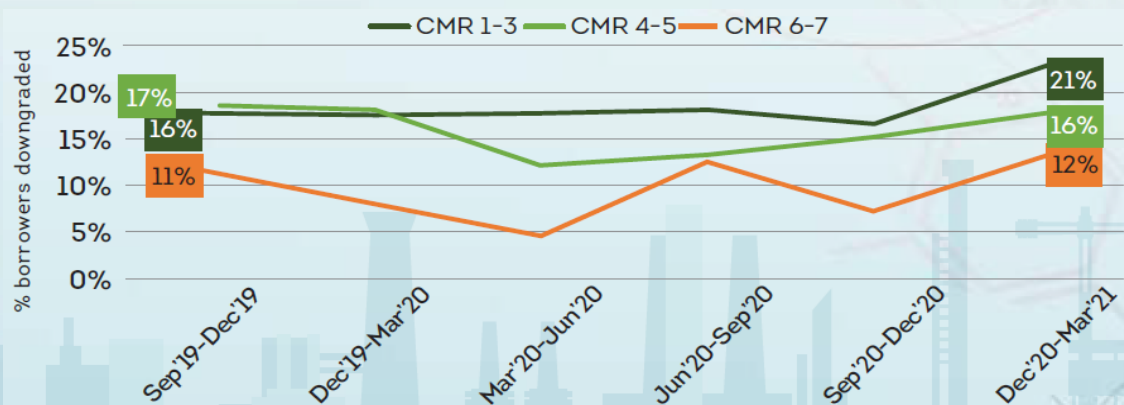
		यथा मार्च 21 को सी एमआर				डाउनग्रेड्स	अपग्रेड्स
		CMR 1-3	CMR 4-5	CMR 6-7	CMR 8-10		
सीएमआर यथा मार्च 20	सीएमआर 1-3	68%	21%	7%	4%	32%	
	सीएमआर 4-5	21%	53%	16%	10%	26%	21%
	सीएमआर 6-7	6%	22%	57%	15%	15%	28%
	सीएमआर 8-10	1%	3%	18%	78%		22%

जोखिम वाले समूह में सिबिल एमएसएमई रैंक का त्रैमासिक तुलना दृश्य, हाल की तिमाहियों में दिखाता है कि सभी समूहों की अवनति में वृद्धि हुई है, जिससे जोखिम निर्माण का संकेत मिलता है। अवनतियाँ रैंक 1-3 के लिए सबसे अधिक है, इसके बाद रैंक 4-5 है।

प्रदर्श 11: सिबिल एमएसएमई रैंक के आधार पर एमएसएमई इकाईयों की अवनति

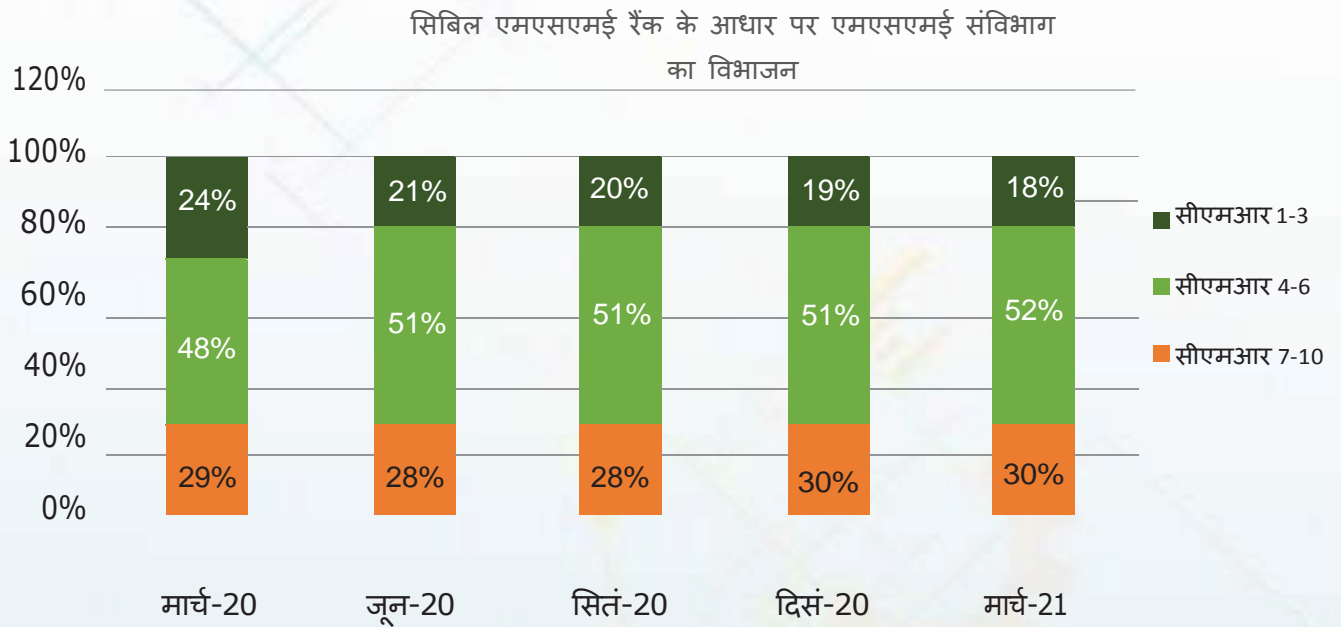
सीएमआर द्वारा एमएसएमई के लिए डाउनग्रेड्स

सीएमआर 1-3 सीएमआर 4-5 सीएमआर 6-7



परिणामस्वरूप, मध्य-जोखिम वाले उधारकर्ताओं का समूह में तेजी से बढ़त हुई है। मार्च'21 तक, 52% उधारकर्ता सीएमआर 4-6 की सीमा में हैं, जबकि मार्च 20 में यह 48% था। सिबिल एमएसएमई रैंक 4-6 के मध्य-जोखिम घटक में अवधांतरण सीएमआर 1-3 के कम जोखिम वाले घटक से हुआ है। तथापि, सिबिल एमएसएमई रैंक 7-10 का उच्च जोखिम वाला घटक अभी भी 30% पर स्थिर है।

प्रदर्श 12: सिबिल एमएसएमई रैंक के आधार पर एमएसएमई संविभाग का विभाजन

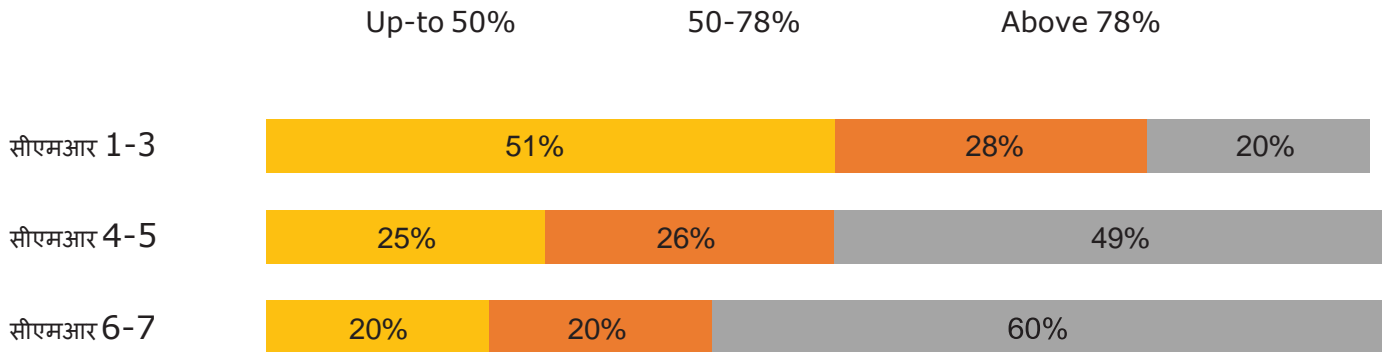


अच्छे उधारकर्ताओं की और अधिक विशिष्टता हेतु प्रचलित नवीन प्रणाली

हाल की तिमाहियों में ऋण की शेषराशियों में त्वरित वृद्धि - विशेष रूप से मध्यम और उच्च जोखिम वाले खंडों में संविभाग की सघन निगरानी की अपेक्षा रेखांकित होती है। क्रेडिट विजन® (सीवी) उपयोग-प्रणाली का सदुपयोग करते हुए 12 महीने की अवधि में ऋण की शेषराशियों में परिलक्षित होने वाले में रुझान के आधार पर नकद ऋण और ओवरड्राफ्ट ऋण जैसी परिक्रामी ऋण सुविधाओं में प्रचलित उपयोग का विश्लेषण किया जाता है। इससे क्रेडिट ब्यूरो संबंधी ब्यौरों का और अधिक विपुंजन संभव हो पाता है और सीएमआर के संयोजन में इसके उपयोग की स्थिति में तो एक विचलित करने वाला विशिष्ट जोखिम सम्मुख आता है।

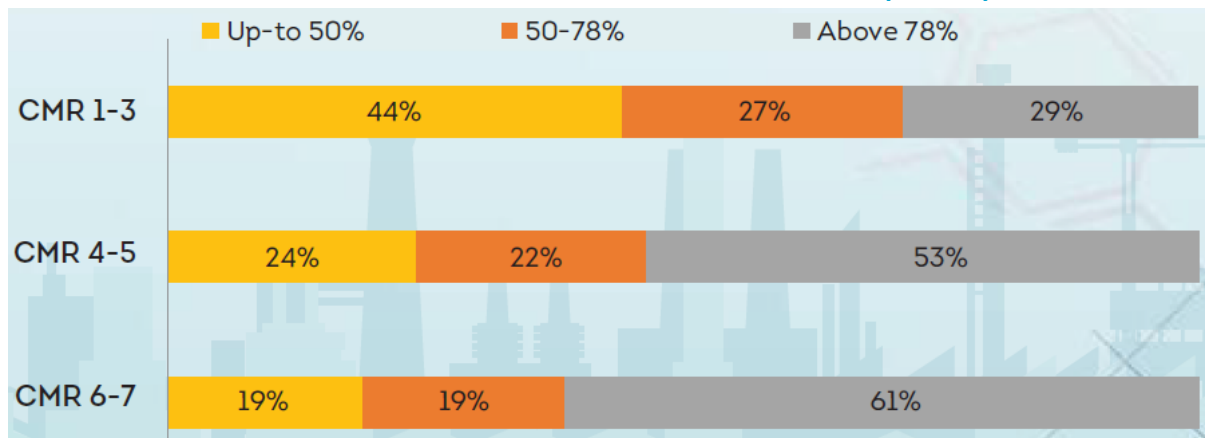
सिबिल एमएसएमई संबंधी श्रेणियों के भीतर उपयोग आधारित विभाजन यह दर्शाता है कि उच्चतम उपयोग खंड (> 78% औसत उपयोग) में एमएसएमई इकाइयां सीएमआर 1-3 श्रेणी के उधारकर्ताओं में 20% मात्र हैं, जबकि सीएमआर 6-7 श्रेणी के उधारकर्ताओं में यह संख्या 60% तक पहुंच जाती है। इस प्रकार, प्रचलित उपयोग प्रणाली का उपयोग करते हुए अच्छी श्रेणियों के भीतर दबावग्रस्त खंडों की पहचान करना संभव है। साथ ही, मध्यम-जोखिम वाले उधारकर्ताओं के बीच श्रेष्ठतर उधारकर्ताओं को विभाजित करना संभव है।

प्रदर्श 13: संविभाग स्तर: औसत सकल उपयोग (मार्च '21)



कोविड की पहली लहर से पूर्व और उसके पश्चात् उधारकर्ताओं की ऋण संबंधी स्थिति का आकलन करने के लिए, उधारकर्ताओं के लहर 1 पूर्व (मार्च'20) के औसत उपयोग-स्तरों की तुलना करने पर स्पष्ट होता है कि उधारकर्ताओं का एक वृहद अनुपात उच्च उपयोग खंड (>78% औसत उपयोग) मार्च '20 में मौजूद था। एमएसएमई उपयोग के स्तर के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि लहर 1 की तुलना में एमएसएमई उद्यम लहर 2 में संरचनात्मक रूप से मजबूत हैं।

प्रदर्श 14: संविभाग स्तर: औसत सकल उपयोग (मार्च '20)



सीएमआर और एमएसएमई संस्थाओं के कुल औसत परिक्रामी उपयोग का अध्ययन करते हुए खराब दर का विश्लेषण किया जाता है। खराब दर को अगले 12 महीनों में देखे गए 90+ डेज़ पास्ट ड्यू (DPD) के रूप में परिभाषित किया गया है। जोखिम विभेदकों में से किसी एक औसत परिक्रामी उपयोग के आधार पर, हम एक ही जोखिम खंड में अपेक्षाकृत बेहतर उधारकर्ता ढूंढ सकते हैं। मध्यम जोखिम वाले एमएसएमई उद्यमों के लिए (सीएमआर 4.5) 78% से कम उपयोग वाली संस्थाएं यथोचित रूप से स्थिर हैं। इनमें चूक की दर 8% देखी गई है, जबकि एक ही जोखिम खंड में 78% से अधिक उपयोग वाली संस्थाओं ने 13% तक खराब निष्पादन किया है, जो लगभग दोगुना है। सीएमआर 6-7 में संस्थाओं में समान प्रवृत्ति देखी जाती है, जहां उपयोग में वृद्धि होने पर खराब दर दोगुनी हो जाती है। यह सीएमआर 4-7 खंड के उधारकर्ताओं के बीच भी कम जोखिम वाले उधारकर्ताओं के चयन को सुकर बनाता है।

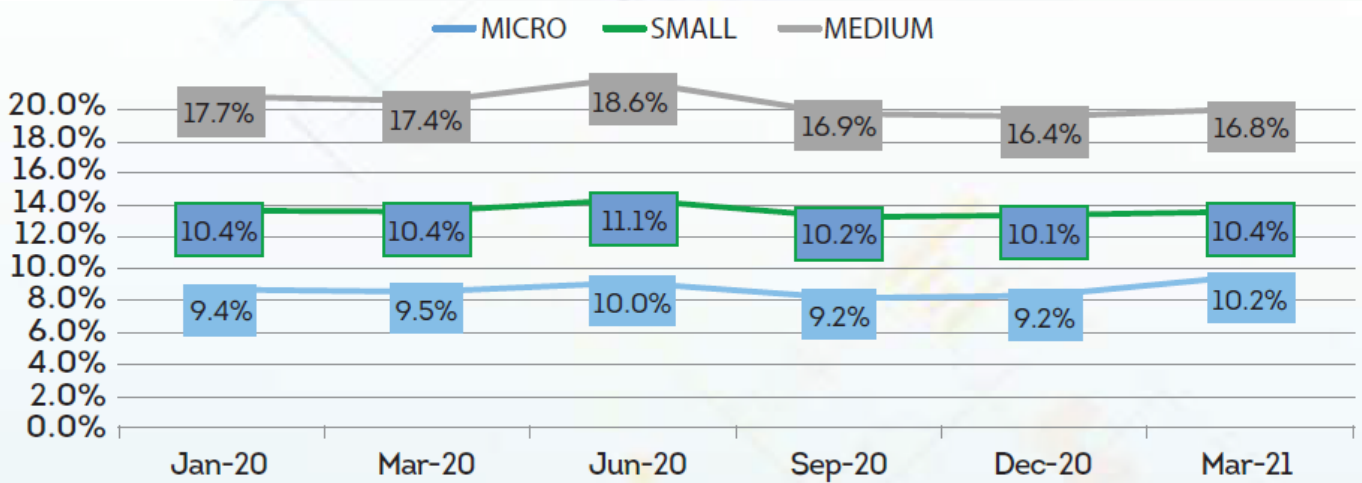
क्रेडिटविजन में प्रमुख विशिष्टताओं का समावेश होता है और उपयोग-विश्लेषण की प्रणाली से सिबिल एमएसएमई की श्रेणीबद्धता हेतु अपेक्षित परिज्ञान प्राप्त होता है। इससे ऋणदाताओं को उधारकर्ता से संबंधित विभिन्न आयामों को गहराई से समझने में मदद मिलती है, जिससे अंततः ऋणदाताओं के लिए सीएमआर के आसपास आवश्यक नीतियों का सृजन सुगम हो जाता है।

प्रदर्श 15: सीएमआर द्वारा खराब दर

Average Aggregate Utilization (12m)	CIBIL MSME Rank (CMR)				
	CMR 1-3	CMR 4-5	CMR 6-7	CMR 8-10	Overall
Up-to 50%	3%	7%	11%	68%	12%
50-78%	3%	8%	12%	69%	15%
Above 78%	4%	13%	24%	81%	21%
Overall	3%	10%	19%	77%	15%

एमएसएमई से संबंधित उधारियों में समग्र एनपीए की दर जून'20 तक स्थिर बनी रही, और सितंबर '20 में सभी उपखंडों में कम हो गई। यह मार्च'21 तक छोटे और मध्यम वर्गों में स्थिर बना हुआ है। एमएसएमई के उप-खंडों के भीतर, इनमें बड़े आकार वाले ऋणों में एनपीए की दरें अधिक होती हैं। सूक्ष्म-ऋण खंडों के लिए दिसंबर'20 की तुलना में मार्च'21 में पुनः एनपीए दर में वृद्धि हुई है। ईसीएलजीएस के बाद से उच्च ऋण आपूर्ति से उप-खंडों में एनपीए की दरों में कमी आई है। नियामक /कानूनी दिशा-निर्देशों के प्रवर्तन के पश्चात् एनपीए की दरों में बदलाव हो सकता है।

प्रदर्श .16 खंड-वार एनपीए दर

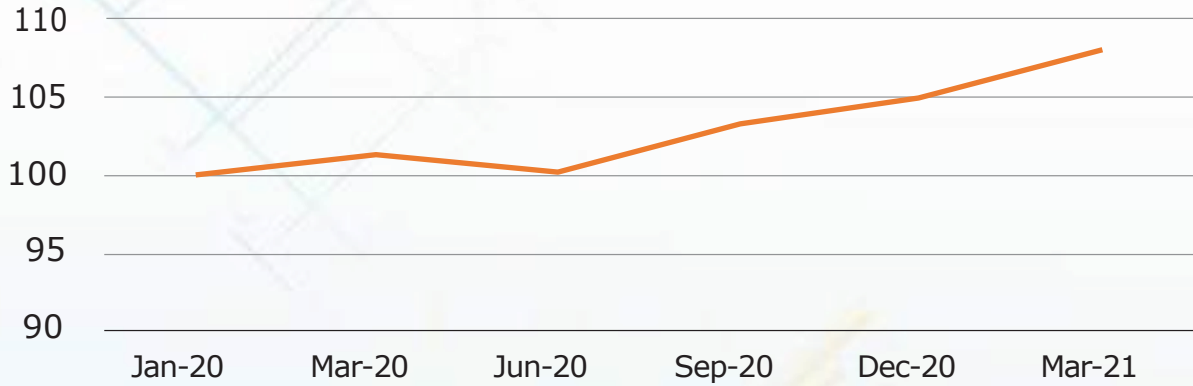


ऋणदाताओं द्वारा संचालित कार्यप्रणालियों में परिवर्तन

जून 2020 के बाद से बकाया शेषराशियों में संवृद्धि लगातार बढ़ रही है।

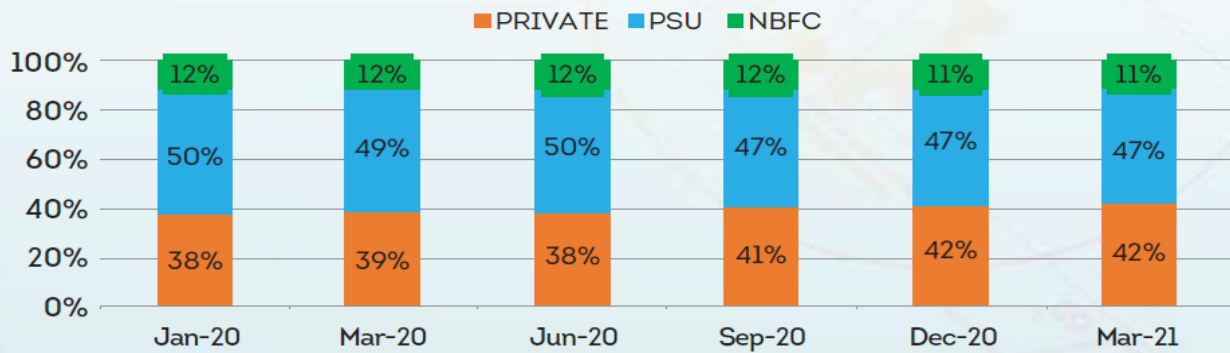
प्रदर्श 17: सूचीबद्ध ऋण बकाए की शेषराशियाँ

सूचीबद्ध ऋण बकाए की शेषराशियाँ



निजी बैंकों ने सार्वजनिक उपक्रमों की कीमत पर बाजार हिस्सेदारी में कुछ प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। एनबीएफसी के लिए कमोबेश वही स्थिर रहा है।

प्रदर्श 18 : उधारदाताओं में आनुपातिक हिस्सेदारी - प्रवर्तन



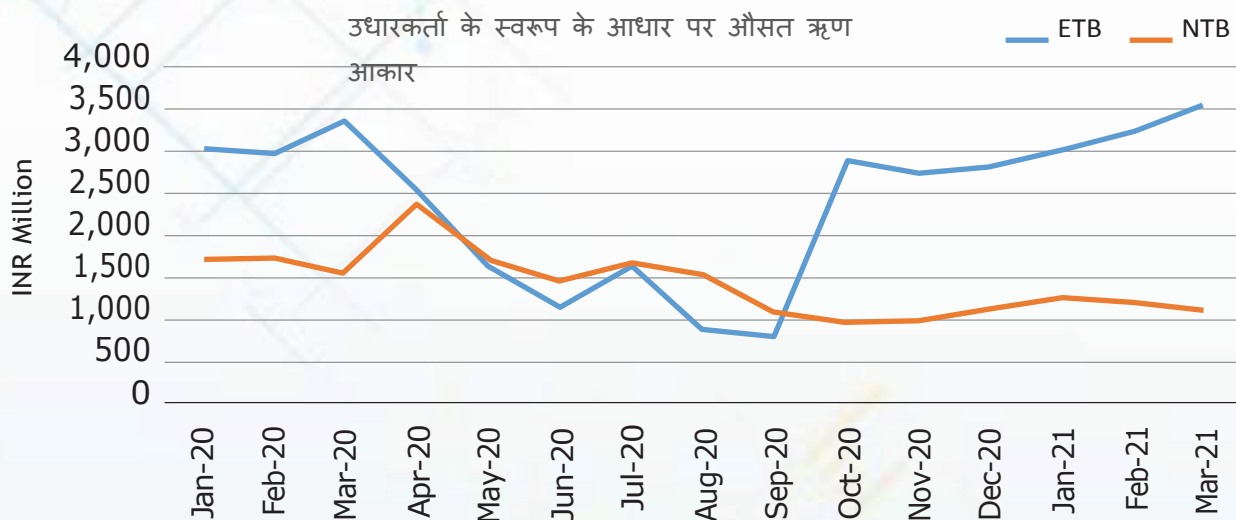
*अन्य उधारकर्ताएँ जिन्हें बाज़ार हिस्सा विश्लेषण में शामिल नहीं किया गया है



औसत आकार के ऋणों में परिवर्तन

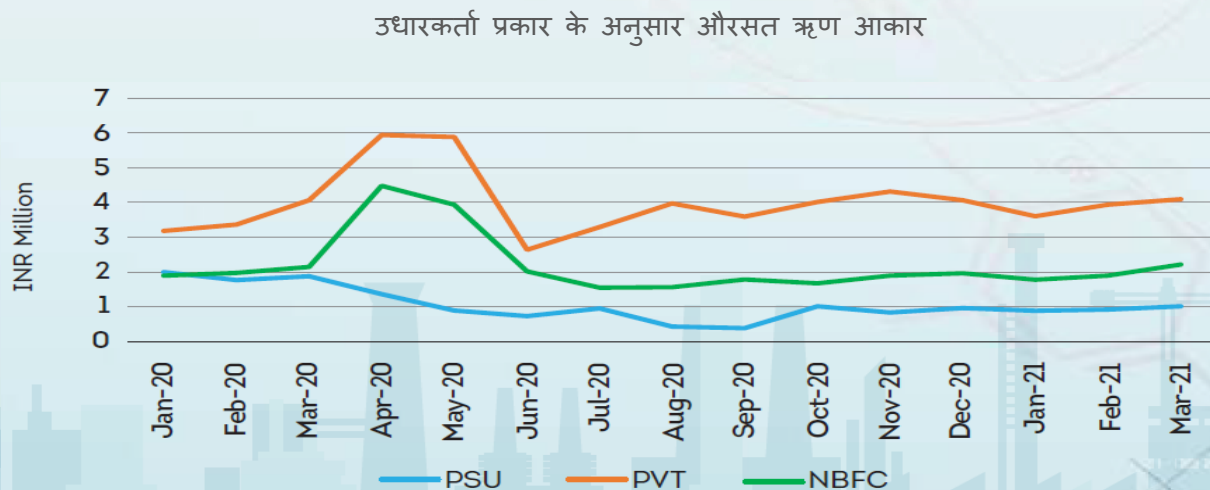
मार्च से सितंबर 2020 की अवधि में ईटीबी औसत ऋण आकार में गिरावट आई, जिसके बाद यह पूर्व-कोविड स्तरों पर वापस आने लगा है। एनटीबी खंड में औसत ऋण आकार में गिरावट का रुझान देखा गया है।

प्रदर्श 19 : उधारकर्ता के स्वरूप के आधार पर औसत ऋण आकार - नए आरंभ



सभी ऋणदाता समूहों में एमएसएमई ऋणों से संबंधित सर्वथा नई शुरुआत की दृष्टि से औसत ऋणों के आकार में कमी आई है। भले ही निजी क्षेत्र के बैंक और एनबीएफसी धीरे-धीरे कोविड 19-पूर्व के ऋण-आकार की ओर अपनी वापसी कर रहे हों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अपेक्षाकृत कम ऋण राशियों में अपना योगदान बनाए बनाए हुए हैं।

प्रदर्श 20 : उधारकर्ता के स्वरूप के आधार पर औसत ऋण आकार - नए आरंभ

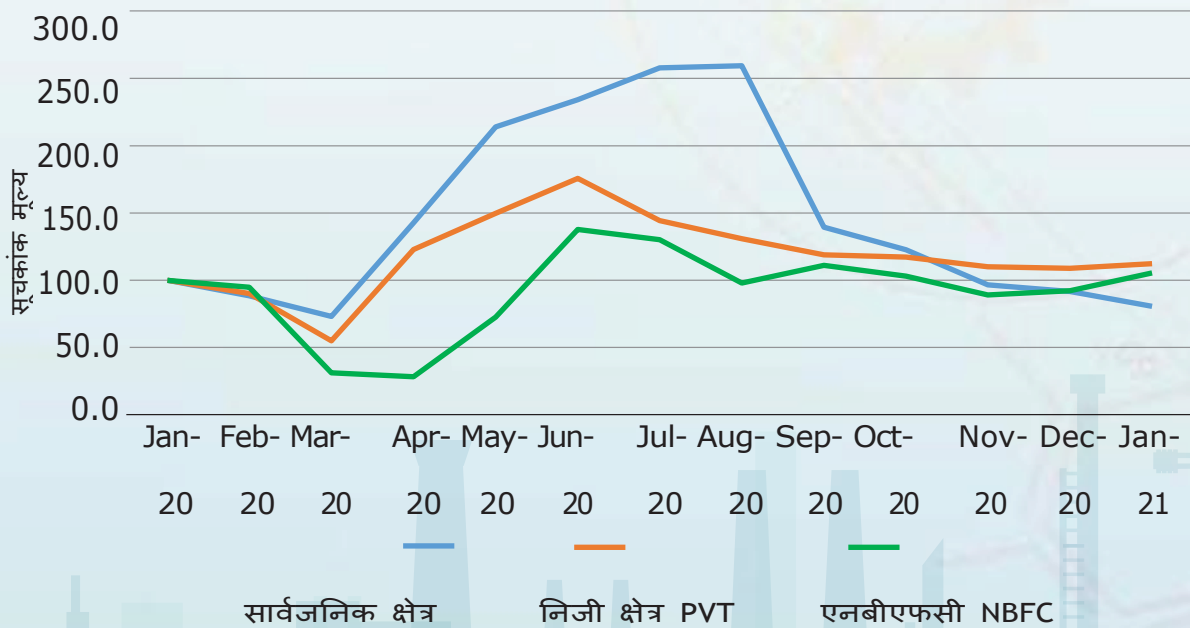


सभी क्षेत्रों में अनुमोदन दरों में वृद्धि

साथ ही, ईसीएलजीएस की 100% ऋण गारंटी की उपलब्धता के कारण सभी ऋणदाताओं के लिए अनुमोदन दरों में वृद्धि हुई है। हालांकि जून'20 की अनुमोदन दरों में शुरुआती बढ़ोतरी के बाद, निजी क्षेत्र के बैंक और एनबीएफसी धीरे-धीरे कोविड 19-पूर्व के स्तरों पर अग्रसर हो रहे हैं।

प्रदर्श 21 : ऋणदाता-श्रेणी के आधार पर सूचीबद्ध अनुमोदन-दर

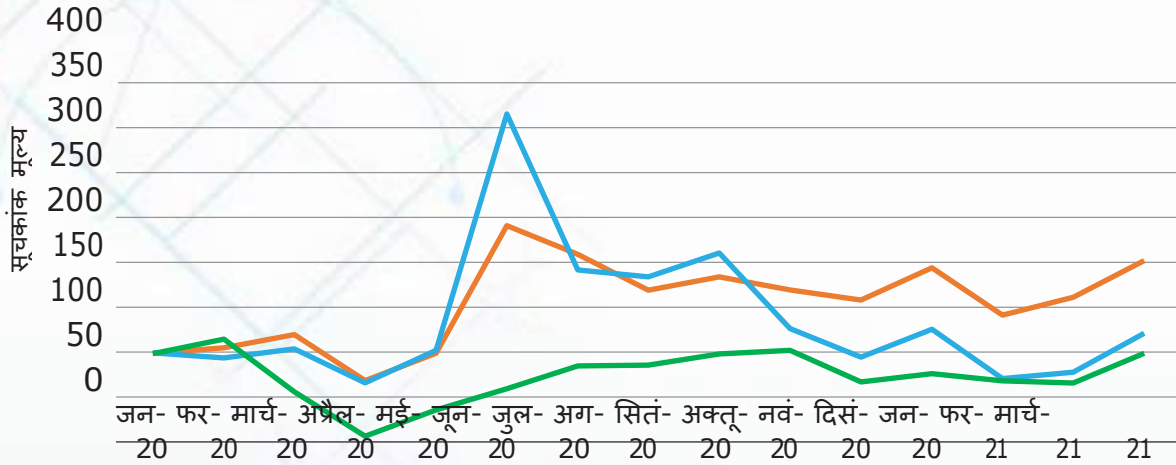
ऋणदाता-श्रेणी के आधार पर सूचीबद्ध अनुमोदन-दर



ईसीएलजीएस के कारण अप्रैल-अगस्त 2020 में असामान्य वृद्धि के बाद, निजी क्षेत्र के बैंकों के लिए अनुमोदन दर कोविड-पूर्व स्तर पर वापस आ गई है। मार्च-अप्रैल 2020 के दौरान आरंभिक मंदी के बाद एनबीएफसी के लिए भी यही स्थिति बनी हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अनुमोदन दरों की उच्चतम सापेक्षिक वृद्धि परिलक्षित हुई, जिसकी प्रवृत्ति में अब गिरावट दिखाई दे रही है।

प्रदर्श 22: ऋणदाता श्रेणी द्वारा सूचीबद्ध प्रारंभिक शेष राशि

ऋणदाता श्रेणी द्वारा सूचीबद्ध प्रारंभिक शेष राशि

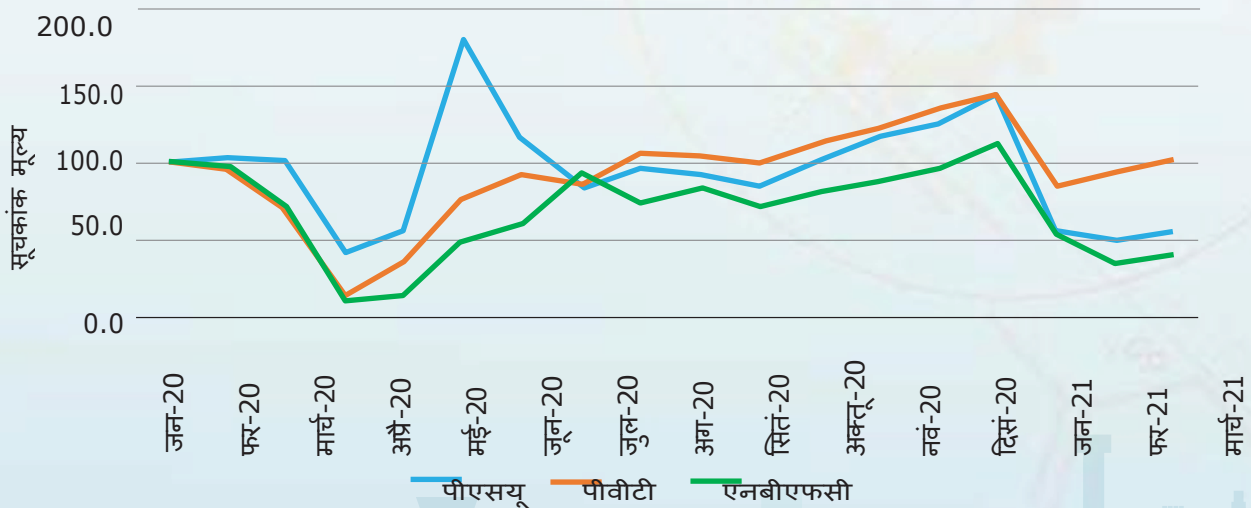


पीएसयू पीवीटी एनबीएफसी

2020 की अंतिम तिमाही में गिरावट के बाद, मार्च 2021 में सभी उधारदाताओं के प्रारम्भिक शेष राशि में कोविड -पूर्व स्तरों जैसी स्थिर वृद्धि हुई है

प्रदर्श 23: ऋणदाता श्रेणी द्वारा सूचीबद्ध वाणिज्यिक ऋण पूछताछ

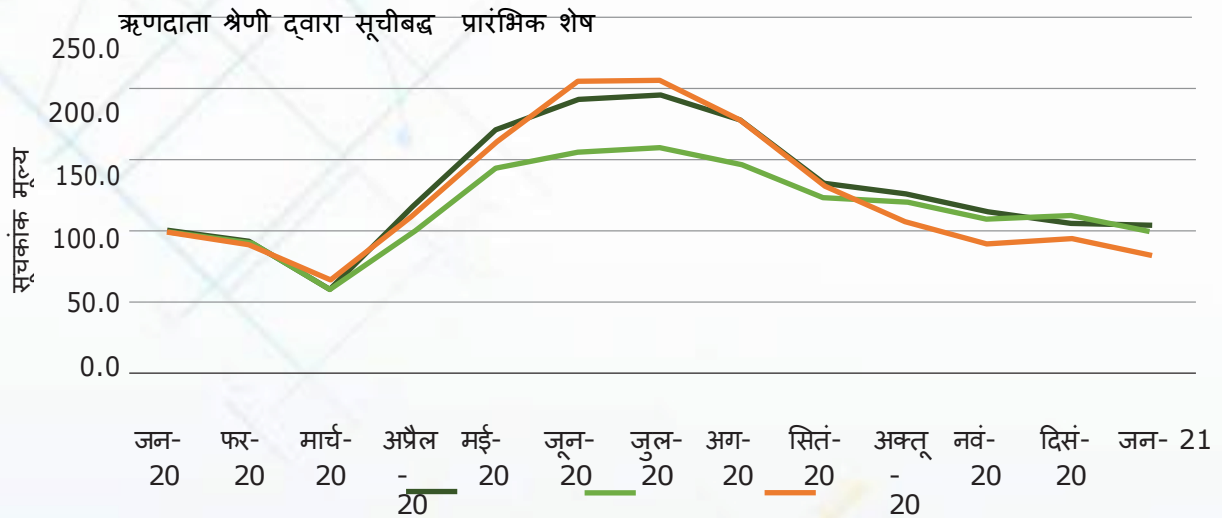
ऋणदाता श्रेणी द्वारा सूचीबद्ध वाणिज्यिक ऋण पूछताछ



सभी ऋणदाताओं ने पूछताछ वृद्धि में स्थिरता देखी है और वैश्विक महामारी से पहले के परिमाण को पार कर लिया है।

उच्च अनुमोदन दरों के उच्चतम लाभार्थी 7-10 सीएमआर वाले उच्च जोखिम के एमएसएमई खंड हैं और इसके बाद सीएमआर 1-3 हैं। जून'20 में उनकी स्वीकृति दर पूर्व-कोविड -19 स्तरों से दो गुना अधिक हो गई। तब से, अनुमोदन दरों में लगातार गिरावट आई है।

प्रदर्श 24: जोखिम टियर द्वारा सूचीबद्ध अनुमोदन दर

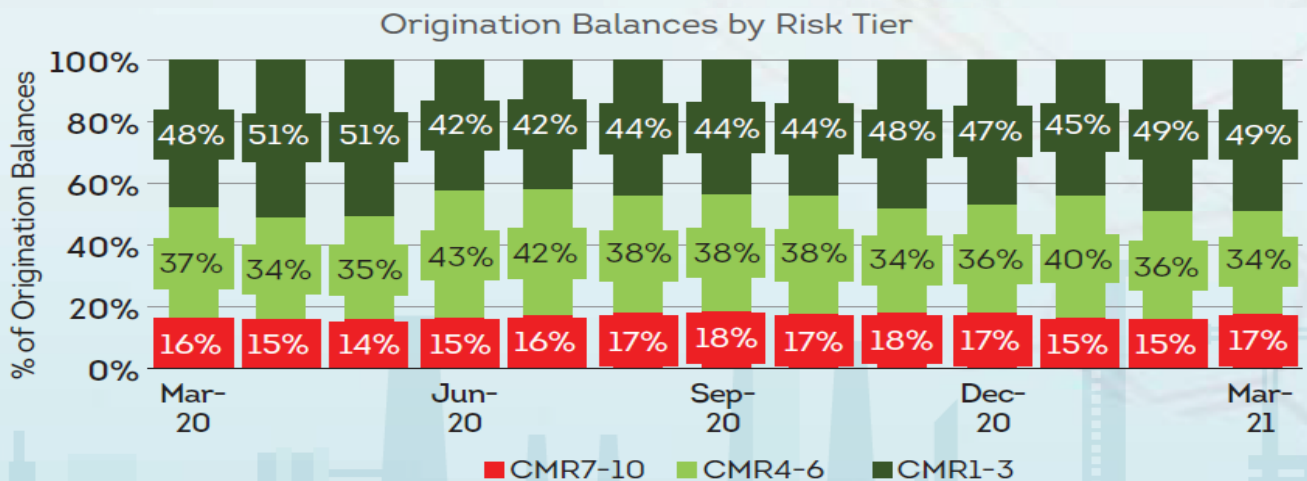


सीएमआर1-3 सीएमआर 4-6 सीएमआर 7-10

परिणामस्वरूप, वैश्विक महामारी के चरम के दौरान एक अस्थायी परत निकलने के बावजूद, जोखिम भूख वैश्विक महामारी के पूर्व-स्तर पर लौट आई है। सीएमआर के प्रारम्भिक शेयर से पता चलता है कि वैश्विक महामारी के शुरुआती दौर में उच्च जोखिम घटक सीएमआर 7-10 में गिरावट हुई और कम जोखिम घटक के सीएमआर 1-3 में वृद्धि हुई। लेकिन अब, सीएमआर द्वारा प्रारम्भिक वितरण कोविड -19 पूर्व स्तरों के समान हैं।

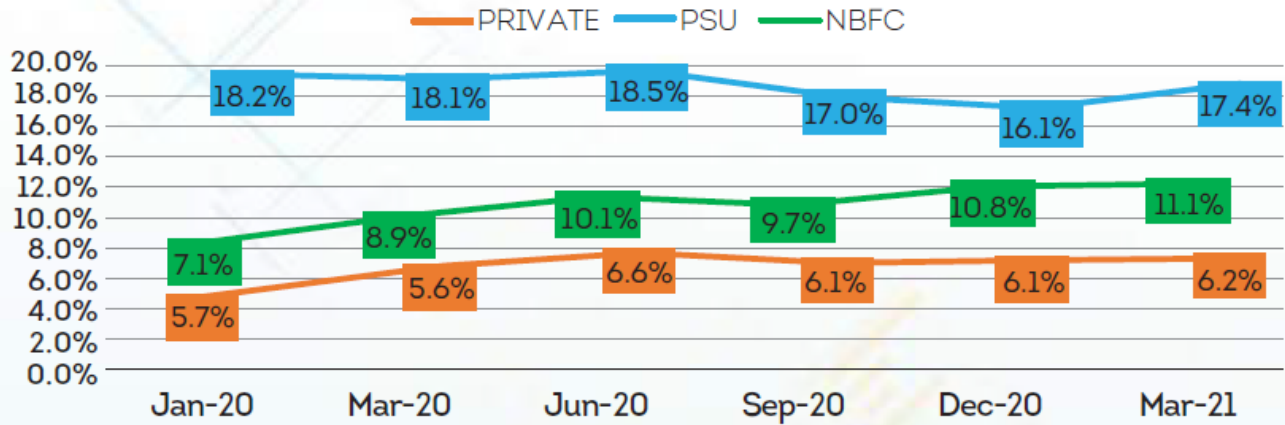
प्रदर्श 25: सीएमआर द्वारा एमएसएमई इकाइयों का प्रारम्भिक वितरण जोखिम टियर द्वारा प्रारम्भिक संतुलन

जोखिम श्रेणी से उत्पत्ति बकाया



दिसंबर '20 की तुलना में मार्च'21 में एमएसएमई खंड के सभी उधारदाताओं की अनर्जक आस्तियों में वृद्धि हुई है। सितंबर '20 से मार्च'21 तक निजी बैंकों की अनर्जक दरें काफी स्थिर रही हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की अनर्जक दरें दिसंबर '20 में घटकर 16.1% हो गई हैं, जो सितंबर'20 में 17.0% थी, और मार्च'21 में फिर से बढ़कर 17.4% हो गई। एनबीएफसी कंपनियों ने सितंबर '20 से मार्च'21 तक में अनर्जक आस्ति दरों में स्थिर वृद्धि दर्शाया है। एनबीएफसी कंपनियों के अनर्जक आस्ति दरों में वृद्धि का एक कारण एमएसएमई के प्रति ऋण वृद्धि में उनकी सुस्पष्ट मंदी है।

प्रदर्श 26: एमएसएमई घटक में ऋणदाता समूह की अनर्जक दरें

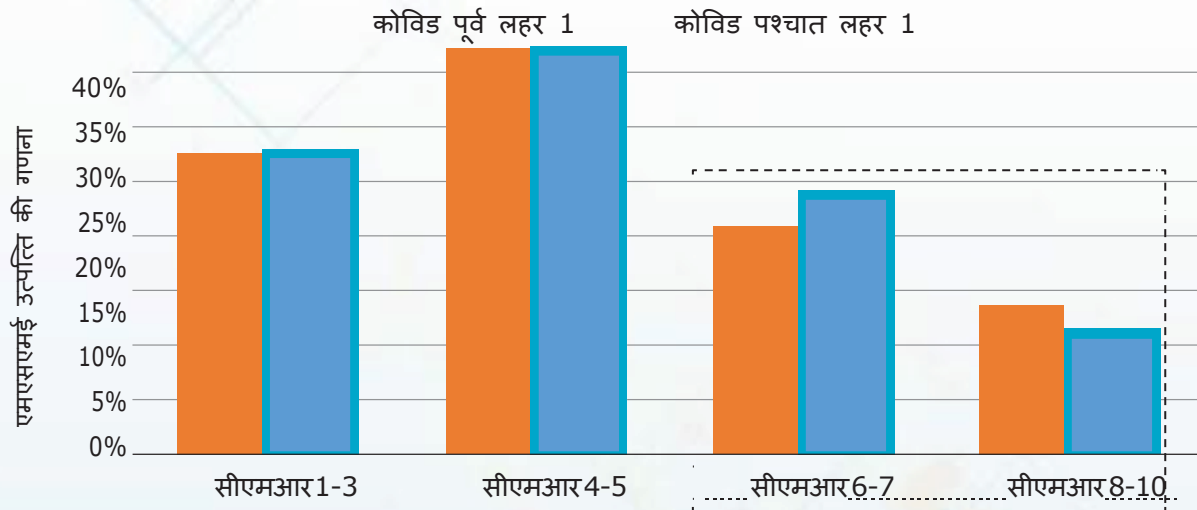




कोविड लहर 1 से पहले की वित्तपोषित इकाइयों की एवं कोविड लहर 1 के बाद वित्तपोषित इकाइयों के उधारकर्ता के संविभाग की तुलना का विश्लेषण यह समझने के लिए किया गया था कि क्या इसमें कोई महत्वपूर्ण अंतर हैं। इसमें केवल कार्यशील पूंजी और नए सावधि ऋण को ध्यान में रखा गया था - सभी नवीकरणों, साथ ही जीईसीएल ऋण (ईसीएलजीएस के तहत टॉप अप ऋण) को इससे अलग रखा गया था। चूंकि उधारकर्ताओं की ऋण विशेषताओं का विश्लेषण किया गया है, इसलिए सभी नए ऋणों को इस विश्लेषण से बाहर रखा गया है। इस विश्लेषण के लिए ₹1 लाख से ₹1 करोड़ के बीच की मंजूरीयों पर विचार किया गया। कोविड लहर 1 के पश्चात की समयावधि के लिए जनवरी '21 से मार्च'21 तक और कोविड लहर 1 के पूर्व के लिए - जनवरी '20 से मार्च'20 तक की प्रारम्भिक राशियां ली गई हैं। जनवरी-मार्च'21 की समय अवधि को इसलिए चुना गया क्योंकि यह वह समय था जब लॉकडाउन-समाप्ति के विभिन्न चरणों के बाद सामान्य स्थिति बहाल हो गई थी और जब विनियामक हस्तक्षेप भी कम किए गए थे।

कोविड पूर्व एवं पश्चात ऋण विशेषताएँ : सिबिल एमएसएमई रैंक

प्रदर्श 27 कोविड लहर -1 के पूर्व एवं पश्चात: नए ऋणों का सिबिल एमएसएमई रैंक

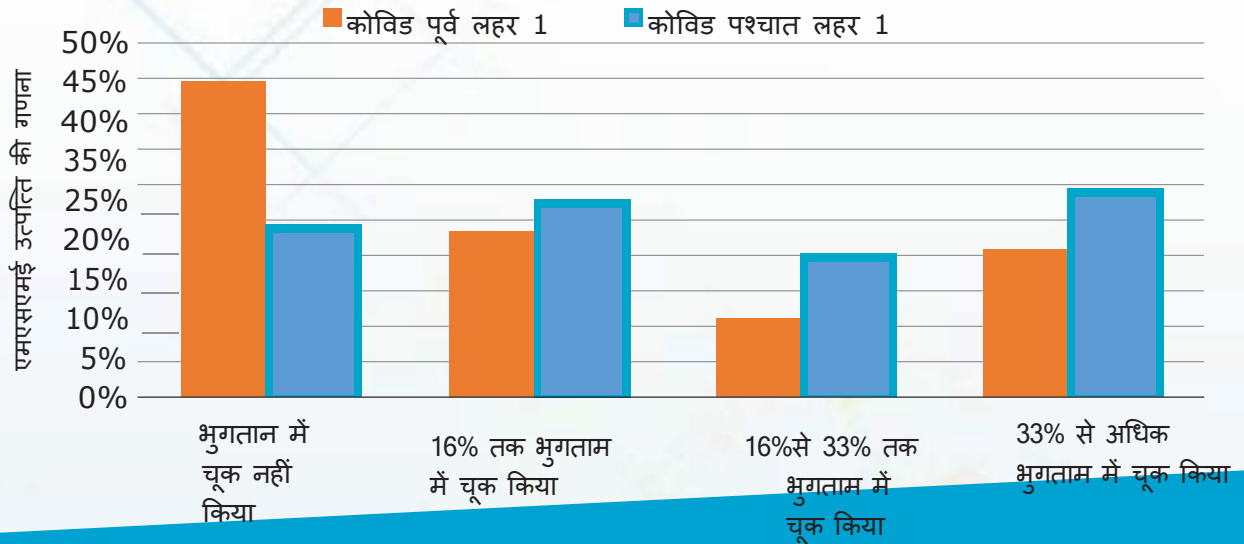


कोविड लहर 1 के पश्चात, उच्च जोखिम वाली एमएसएमई इकाइयों (सीएमआर 8-10) में नए ऋणों में कमी आई है। यह कमी सीएमआर 6-7 वाले ऋणों में वृद्धि से बराबर हुआ है, अर्थात ऋणदाताओं ने वर्तमान अनिश्चित वातावरण में जोखिम उठाने की क्षमता को कम कर दिया है। साथ ही सीएमआर 1-5 वाले वित्तपोषित उधारकर्ताओं का अनुपात समान है, जो सीएमआर की अच्छी संस्थाओं को अलग करने की क्षमता को प्रदर्शित करता है, साथ ही इस तथ्य को भी दर्शाता है कि संरचनात्मक रूप से सुदृढ़ उधारकर्ताओं को ऋण उपलब्धता जारी है।

कोविड पूर्व और पश्चात ऋण की विशेषताएँ : चुकौती में चूक

प्रदर्श 28: नई ऋणों वाली इकाइयों द्वारा चुकौती में चूक का अनुपात

क्रेडिटविज़न एल्गोरिथम द्वारा एमएसएमई इकाइयों की बकाया देयताओं की चुकौती व्यवहार को प्रगृहित करता है। इस विश्लेषण के लिए चुकौती में चूक अनुपात एल्गोरिथम इकाई के 12 महीने के चूक भुगतान व्यवहार को प्रगृहित करता है और उधारदाताओं को उनके पिछले चुकौती रिकॉर्ड को समझने में सहायता करता है।

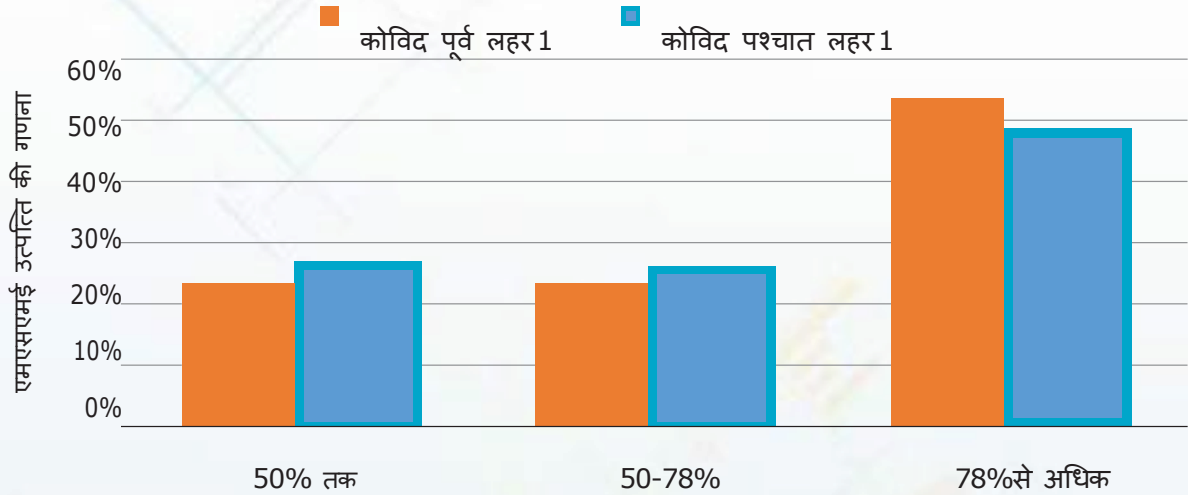


जनवरी से मार्च 21 तक एमएसएमई ऋणप्रदायगी वाले 29% उधारकर्ताओं ने देय चुकौतियों में से 33% से अधिक में चूक किया हैं अर्थात पिछले बारह महीनों में देय प्रत्येक तीन चुकौतियों में से एक की चुकौती । जनवरी'20 से मार्च'20 के लिए समान अनुपात 21% था। यह इस बात का संकेत है कि ऋणदाता चुकौती में चूक करने वाली एमएसएमई इकाइयों को वित्तपोषण के लिए स्वीकार रहें हैं। कोविड-19 लहर 1 के बाद स्पष्ट चुकौती रिकॉर्ड वाली एमएसएमई संस्थाओं की संख्या में काफी कमी आई है, और आगे बढ़ते हुए, यह एमएसएमई पर दबाव के स्तर को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक होगा।

कोविड पूर्व और पश्चात ऋण की विशेषताएँ: उपयोग

क्रेडिटविज़न एल्गोरिथम यूटिलाइज़ेशन 12 महीनों की अवधि में चलनिधि ऋण और ओवरड्राफ्ट ऋण जैसी परिक्रामी ऋण सुविधाओं में एमएसएमई संस्थाओं द्वारा इनके उपयोग व्यवहार को प्रगृहित करता है।

प्रदर्श 29: कोविड लहर 1 से पहले और बाद में नए ऋण वाली इकाइयों का औसत उपयोग



जनवरी से मार्च '21 तक एमएसएमई को दिए गए उधार में से 48% उन उधारकर्ताओं का था, जिनका पिछले 12 महीनों में सकल उपयोग स्तर 78% से अधिक था और जनवरी '20 से मार्च'20 के लिए 54% का समान अनुपात था। यह इंगित करता है कि नए ऋण का एक महत्वपूर्ण अनुपात दबाव के लिए नहीं अपितु वृद्धि के लिए था।

छूटे हुए भुगतान और उपयोग जैसे प्रवृत्तिपरक एल्गोरिदम एमएसएमई के क्रेडिट व्यवहार को अति सूक्ष्म स्तर पर प्रगृहित करने में सहायक हैं। यह ऋणदाताओं को अतिरिक्त जोखिम विभेदकता प्राप्त करने में सक्षम करता है ताकि वे अच्छी एमएसएमई संस्थाओं का पता लगाने और उन्हें वित्तपोषित करने के लिए अपनी ऋणनीतियों और संविभाग प्रबंध ढांचे को और गहन कर सकें।